पंजाब केसरी 22/01/2025

# जी.एम.एन. कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार पर 5 दिवसीय फैकल्टी डिवैल्पमैंट कार्यक्रम शुरू

अम्बाला, 21 जनवरी (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में मंगलवार को बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) विषय पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) का शुभारंभ किया गया।

*गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लेते प्राध्यापक एवं अन्य।* (देवदत्त)

प्राचार्य डा. रोहित दत्त के दिशा-निर्देशन में आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम के पहले दिन एम.एस.एम.ई. डी.एफ.ओ. करनाल की सहायक संचालक मीनू धीमान ने रिसोर्स पर्सन के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के आरंभ में कन्वीनर डा. प्रबलीन कौर एवं को-कन्वीनर डा. भारती सुजान ने रिसोर्स पर्सन का स्वागत किया।

मीनू धीमान ने आज के विषय पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों को आई.पी.आर. एवं उसके विभिन्न अवयवों से अवगत करवाया और साथ ही यह भी बताया कि हमारे जीवन में इसका क्या महत्व है। इसके साथ ही उन्होंने पी.एम.ई.जी.पी.ई. पोर्टल, नि:शुल्क उद्यम रजिस्ट्रेशन, पी.एम.ई.जी.पी. के अंतर्गत वित्तीय सहायता एवं महत्वपूर्ण केस स्टडी पर भी चर्चा की।

उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार का महत्व इस वजह से है कि यह रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा करता है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। इससे रचनात्मक कार्यों और आविष्कारों को सुरक्षित रखा जाता है। ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, पेटैंट, भौगोलिक संकेत, पौधों की किस्में, लेआऊट डिजाइन, व्यापार रहस्य इत्यादि इससे जुड़े कुछ उदाहरण हैं।

कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने शैक्षणिक विभाग के सभी सदस्यों एवं कॉलेज के सभी विद्यार्थियों को इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रो. रितिका एवं प्रो. जसमीता ने सफल मंच संचालन किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. कमलप्रीत कौर, डा. गीता कौशिक, प्रो. योगिता, डा. सुरेंद्र कुंडू एवं प्रो. शिवानी निझावन सहित सलाहकार समिति के सदस्य डा. शिखा जग्गी, डा. मीनू राठी एवं डा. श्याम रहेजा विशेष रूप से उपस्थित रहे।